एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत में मिली मेंढक की नयी प्रजाति

जानिये क्या है इसकी खासियत

भारतीय शोधकर्ताओं ने माइक्रोहाइलिडी परिवार के मेंढक की एक नयी प्रजाति का पता लगाया है। मेंढक की यह प्रजाति केरल के दक्षिणी-पश्चिमी घाट में सड़क किनारे मौजूद अस्थायी पोखर में पायी गई है। मेंढक की इस प्रजाति की आंतरिक एवं बाह्य संरचना, आवाज, लार्वा अवस्था और डीएनए नमूनों का अध्ययन करने के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस अध्ययन से जुड़े दिल्ली विश्वविद्यालय के उभयचर वैज्ञानिकों सोनाली गर्ग और प्रो. एस.डी. बीजू ने विकासवादी जीव-विज्ञानी प्रो. फ्रैंकी बोसुइट के नाम पर इस नयी प्रजाति को मिस्टीसेलस फ्रैंकी नाम दिया है। यह प्रजाति दक्षिण-पूर्वी एशिया के माइक्रोहाइलिने उप-परिवार के मेंढकों से मिलती-जुलती है। इसकी करीबी प्रजातियां लगभग दो हजार किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व एशिया के भारत-बर्मा और सुंडालैंड के वैश्विक जैव विविधता क्षेत्रों में पायी जाती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, मेंढक की यह प्रजाति अपने दक्षिण-पूर्व एशियाई संबंधियों से लगभग चार करोड़ वर्ष पूर्व अलग हो गई थी।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस समानता का कारण सेनोजोइक काल में भारत और यूरेशिया के बीच होने वाला जैविक आदान-प्रदान हो सकता है। माइक्रोहाइलिडी परिवार के मेंढकों को संकीर्ण-मुंह वाले मेंढक के नाम से भी जाना जाता है। प्रमुख शोधकर्ता सोनाली गर्ग ने इंडिया साइंस वायर को बताया कि प्रायद्वीपीय भारत के प्रमुख जैव विविधता केंद्र में स्थित होने के बावजूद इस प्रजाति की ओर पहले किसी का ध्यान नहीं गया था। स्पष्ट है कि इस क्षेत्र में उभयचरों का दस्तावेजीकरण अभी पूरा नहीं हुआ है। इस मेंढक को अब तक शायद इसलिए नहीं देखा जा सका क्योंकि यह वर्ष के अधिकतर समय गुप्त जीवनशैली जीता है और प्रजनन के लिए बेहद कम समय के लिए बाहर निकलता है। इस प्रजाति के नर मेंढक कीट-पतंगों जैसी कंपकंपाने वाली आवाज से मादा को बुलाते हैं। यह ध्वनि कीट-पतंगों के कोरस से निकलने वाली आवाज की तरह होती है। नर मेंढक आमतौर पर उथले पानी के पोखर के आसपास घास की पत्तियों के नीचे पाए जाते हैं।

इस मेंढक के पार्श्व भाग में आंखों की संरचना जैसे काले धब्बे होते हैं। नर मेंढक शरीर के पिछले भाग को उठाकर कमर पर मौजूद इन धब्बों को प्रदर्शित करते हैं। इन मेंढकों में इस तरह का व्यवहार उस वक्त देखा गया है, जब वे परेशान होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये धब्बे शिकारियों के खिलाफ रक्षात्मक भूमिका निभाते हैं। जीवों के आश्रय स्थलों के नष्ट होने के कारण उभयचर प्रजातियां भी विलुप्ति से जुड़े खतरों का सामना कर रही हैं। इस नये मेंढक के आवास संबंधी जरूरतों और इसके वितरण के दायरे के बारे में अभी सीमित जानकारी है। इसलिए, इस मेंढक से संबंधित स्थलों को संरक्षित किया जाना चाहिए, ताकि इस प्रजाति को बचाया जा सके। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के क्रिटिकल इकोसिस्टम पार्टनरशिप फंड और दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुदान पर आधारित यह अध्ययन सोनाली गर्ग ने अपने पीएचडी सुपरवाइजर प्रो. एस.डी. बीजू के निर्देशन में पूरा किया है। अध्ययन के नतीजे शोध पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स के ताजा अंक में प्रकाशित किए गए हैं।

पुराने टूथब्रश को बाहर फेंकने से पहले एक बार अवश्य पढ़ें

आपकी कई तरह की सौंदर्य समस्याओं को सुलझाने में भी टूथब्रश कारगर है। मसलन, आईब्रो को सेट करने में टूथब्रश काम आ सकता है। आप चाहें तो इस पर थोड़ा हेयरस्प्रे लगाकर उससे भी आईब्रो सेट करें। दांतों की केयर करने के लिए टूथब्रश पर भी पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। आमतौर पर कहा जाता है कि टूथब्रश को हर तीन महीने में अवश्य बदलना चाहिए। जब टूथब्रश पुराना हो जाता है तो लोग उसे बेकार समझ कर बाहर फेंक देते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो जरा रूकिए। एक बार यह लेख पढ़िए, आपको इसमें पुराने टूथब्रश के ऐसे इस्तेमाल के बारे में पता चलेगा, जिसके बाद आप यकीनन टूथब्रश को बेकार समझ कर बाहर फेंकने की भूल नहीं करेंगे-

करें सफाई

पुराना टूथब्रश कई तरह की चीजों को साफ करने में काफी मदद करता है, जिन्हें आमतौर पर साफ करना थोड़ा मुश्किल होता है।

मसलन, कीबोर्ड से लेकर खिड़कियों के कोने, साइकिल की चेन, सिंक का होल, टॉयलेट, नाखून, ज्वैलरी आदि जैसी चीजों को साफ करने में पुराने टूथब्रश की मदद ली जा सकती है।

अगर गंदी हो दीवारें

जिनके घर में छोटे बच्चे होते हैं, उनके घर में दीवारों पर कलर्स के निशान आसानी से देखने को मिल ही जाते हैं। इन्हें साफ करने में भी टूथब्रश काम आ सकता है। इसके लिए टूथब्रश को बेकिंग सोडा पाउडर में डैब करके फिर उससे दीवारों को साफ करें। कुछ ही देर में दीवारें साफ हो जाएंगी।

सुंदरता का ख्याल

आपको कई तरह की सौंदर्य समस्याओं को सुलझाने में भी टूथब्रश कारगर है। मसलन, आईब्रो को सेट करने में टूथब्रश काम आ सकता है। आप चाहें तो इस पर थोड़ा हेयरस्प्रे लगाकर उससे भी आईब्रो सेट करें। इसके अतिरिक्त अगर आपका मस्कारा सही तरह से आंखों पर नहीं लगता तो उसके लिए भी टूथब्रश कारगर है। बस मस्कारा अप्लाई करने के बाद एक बार अपनी पलकों पर ब्रश को ऊपर की तरफ घुमाएं। आपकी पलकें काफी घनी और सुंदर नजर आएंगी।

लगाएं डाई शैंपू

कई बार ऐसा होता है कि घर के काम की व्यस्तता में या फिर कहीं बाहर जाने की जल्दी में इतना समय ही नहीं होता कि बालों को वॉश किया जाए। ऐसे में डाई शैंपू का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। अगर आप भी डाई शैंपू का इस्तेमाल कर रही हैं और उसे इस्तेमाल करने में परेशानी आ रही है तो इसके लिए पुराने टूथब्रश की मदद लें। इससे आपका काम यकीनन काफी आसान हो जाएगा। इसी तरह बालों को डाई करने में भी टूथब्रश काफी मददगार रहता है।

जूते भी बिगाड़ सकते हैं आपका लुक

इस तरह करें सही जूतों का चुनाव

अपने लुक में बदलाव के लिए आप पार्टी में फार्मल शूज के अतिरिक्त लेसअप शूज या लोफर भी पहन सकते हैं। यह देखने में काफी अच्छे लगते हैं। इतना ही नहीं, आजकल जूतों में कई कलर मौजूद हैं तो आप अपनी ड्रेस के अनुरूप इन्हें चुन सकते हैं। अगर आप स्टाइलिश कपड़े पहनें लेकिन अगर जूते गलत हों तो पूरा लुक ही बिगड़ जाता है। आजकल मार्केट में कई तरह के जूते अवेलेबल हैं, ऐसे में समझ ही नहीं आता कि किस समय कौन से जूते पहने जाएं। तो चलिए आज हम इस लेख में आपको सही जूतों के चुनाव के बारे में बता रहे हैं-

जब करनी हो मस्ती

वहीं अगर आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा रहे हैं तो उस दौरान स्पोर्टस शूज पहने जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त कैनवॉस, लोफर, लॉन्ग बूट्स पहनना भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। अगर आपका प्लॉन ट्रैकिंग आदि का है तो अच्छे ब्रांड के रनिंग शूज पहनें। इससे आप बिना थके काफी देर तक चल पाएंगे और यह देखने में भी काफी बेहतरीन लगेंगे।

पार्टीवियर शूज

अपने लुक में बदलाव के लिए आप पार्टी में फार्मल शूज के अतिरिक्त लेसअप शूज या लोफर भी पहन सकते हैं। यह देखने में काफी अच्छे लगते हैं। इतना ही नहीं, आजकल जूतों में कई कलर मौजूद हैं तो आप अपनी ड्रेस के अनुरूप इन्हें चुन सकते हैं।

ऑफिस लुक शूज

ऑफिस में आपकी ड्रेसिंग न सिर्फएक अच्छा इंप्रेशन डालती है, बल्कि इसके कारण आप खुद को ज्यादा आत्मविश्वासी महसूस करते हैं। ऑफिस लुक या किसी फॉर्मल मीटिंग के लिए ब्रॉग शूज पहनना एक स्मार्ट चॉइस है। ऑफिस के अतिरिक्त किसी स्पेशल ओकेजन में भी ब्रॉग शूज पहना जा सकता है। वहीं ऑफिस में ब्राउन कलर्स के स्लिप ऑन शूज भी पहने जा सकते हैं। इसके साथ आप मैचिंग बेल्ट भी अवश्य कैरी करें।

इसका रखें ध्यान

जूते चाहे आपने कितने ही अच्छे व ब्रांडिड पहने हों लेकिन अगर उसे पहनते समय भी कुछ बातों का ध्यान न रखा जाए, तो पूरा इंप्रेशन ही बिगड़ जाता है। सबसे पहले तो गंदे शूज न पहनें। शूज को पहनने से पहले पॉलिश करें या फिर उन्हें अच्छे से वॉश करके रखें। वहीं जूते पहनते समय उसके कलर पर विशेष ध्यान दें। जूते हमेशा पैंट के कलर से अधिक डार्क होने चाहिए। जूतों के साथ-साथ आपकी जुराबें भी मैचिंग होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त जूतों को खरीदने से पहले उन्हें पहनकर देखें। जूते न तो बहुत अधिक टाइट होने चाहिए और न ही लूज। फिटिड शूज देखने में काफी अच्छे लगते हैं। जूतों को पहनने के बाद अच्छी तरह रखें। इधर-उधर जूते रख देने से वह जल्दी खराब हो जाते हैं और फिर उन्हें इस्तेमाल करने का मन नहीं करता। जूते और बेल्ट के कलर में हमेशा समानता रखें। इससे अच्छा इंप्रेशन पड़ता है। मसलन, अगर आप ब्लैक जूते पहन रहे हैं तो उसके साथ ब्राउन बैल्ट न पहनें। बेहतर होगा कि ब्लैक जूतों के साथ ब्लैक बेल्ट ही पहनें।